मिल का निर्माण कार्य प्रारम्भ होना है। मशीनरी आदि का आर्डर दिया जाना है। सम्पत्ति कमेटी के मुताबिक योजना के अन्तर्गत केन्द्र सरकार से वित्तीय सहायता की मांग की गई है। क्योंकि इस योजना के आधार पर सहकारी क्षेत्र में लगने वाली, अनेक चीनी मिलों को, सहायता व ऋण प्रदान किये जाते रहे हैं।

उक्त प्रोत्साहन योजना सन् 1975 में घोषित की गई थी। अगस्त, सन् 1978 से स्थगित कर दी गई। सरकार ने इस प्रोत्साहन योजना की समीक्षा और उसका पुर्नानरीक्षण करने के लिए फरवरी, सन्, 1980 को अन्तर मंत्रालय ग्रुप का गठन किया था। ज्ञात हुआ है कि इस ग्रुप ने अपनी रिपोर्ट को अन्तिम रूप से तैयार कर लिया है। केन्द्रीय सरकार मंत्री मंडल को इस योजना के बारे में निर्णय लेना हैं।

अहमदाबाद में किसान सहकारी चीनी मिल का बनना इस क्षेत्र के विकास के लिए अत्यन्त आवश्यक है। पड़ौसी दो जनपदों जैसे लखनऊ, बाराबंकी के सीमावर्ती जिलों के किसान भी उन योजनाओं से लाभ उठा सकेंगे। सरकार इस मिल के निर्माण कार्य के प्रारम्भ किये जाने में प्रारंभ से ही उपेक्षा कर रही है। क्षेत्र के किसान मजदूर दुखी हैं। कृषि पर आधारित इस उद्योग के लगने से इस पिछड़े क्षेत्र में सर्वसाधारण के चहुंमुखी विकास के द्वार खुलेंगे।

मैं केन्द्र सरकार से आग्रह करता हूं कि अविलम्ब मंत्रिमंडल द्वारा जो प्रोत्साहन योजना की घोषणा की जाये और भारत के औद्योगिक वित्त निगम अथवा अन्य वित्तीय संस्थाओं से इस मिल के निर्माण के लिए आर्थिक सहायता अविलम्ब प्रदान कराई जावे।

(x) MEASURES TO CURB LATE RUNNING OF TRAINS AND EXTENSION OF SERVICES OF CERTAIN TRAINS LIKE GAUHATI MAIL, DUDHUWA MAIL, ETC.

श्रीमती ऊषा वर्मा (खेरी) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन एक अविलम्बनीय लोक महत्व का विषय सदन में उठाना चाहती हूं।

मेरे लोक सभा के क्षेत्र में रेलवे का बहुत ही कम फैलाव है। हालांकि यह क्षेत्र फसल आदि में काफी अच्छा है, आवागमन एवं मालवाहन के क्षेत्र में काफी पिछड़ा हुआ है। जो भी रेलवे के साधन हैं वे न तो पर्याप्त ही हैं और न रेलें समय से चलती हैं। गोहाटी मेल करीब करीब रोजाना ही 6–8 घण्टे देर से चलती है। यह सेवा अभी तक भी बरेली तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस बारे में मैंने पहले भी रेलवे मंत्रालय का ध्यान आकर्षित किया था। ऐसा लगता है कि इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। जनता बहुत परेशान है। मेरी यह भी दरख्वास्त है कि दुधुवा मेल, जो स्वर्गीय बाल गोविन्द वर्मा जी के प्रयासों से चलाई गई थी, दुधुवा तक न जाकर मिलानी तक ही जाती है। यह सेवा शीघ्र ही दुधुवा तक उपलब्ध होनी चाहिए। इसके अलावा एक रेल सेवा जो फरुखाबाद से शाहजहांपुर को चलती है वो मोहम्मदी होती हुई गोला गोरखनाथ लखीमपुर खीरी क्षेत्र को भी उपलब्ध होनी चाहिए।

क्योंकि मैं बार-बार इस बारे में रेल मंत्रालय का ध्यान दिला चुका हूं और अभी तक इस बारे में कोई व्यवस्था नहीं हुई है, ये विषय मुझे सदन में उठाने की अनुमति मिलनी चाहिए, जिससे कि इस पर तुरन्त कार्यवाही हो सके।